चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....हरि भूमि....

दिनांक 10.12.2020 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 3-8

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन

हकृवि में अब अधिक मात्रा में तैयार होंगे गुणवत्ता पूर्वक बीज

हरिभूमि न्यूज ▸▸हिसार

अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

■ ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का [illegible] करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र के लगने से किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन को गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सहायता होगी।

30 क्विंटल प्रति घंटा बीज प्रसंस्करण क्षमता

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है।

इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह सयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर,, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

हिसार। रामधन सिंह सीड फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 10.12.2025.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6.8.....

'अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज'

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का कुलपति प्रो. समर सिंह ने किया उद्घाटन

हिसार, 9 दिसम्बर (ब्यूरो): अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम् फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रो. समर सिंह ने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया।

रामधन सिंह सीड फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डा. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह सयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर, ग्रेविटी सैप्रेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अजीत समाचार......

दिनांक 10.12.2020 पृष्ठ संख्या.......–.......कॉलम.......–.......

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : कुलपति

...धन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन, कहा फार्म का भी मैकेनाइजेशन

हिसार, 9 दिसम्बर (राज पराशर): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत कही। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। उन्होंने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। कुलपति प्रो. समर सिंह ने इस ओर तुरंत ध्यान देते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र को लगवाने के लिए वित्तीय व्यवस्था करवाकर इसे स्थापित करवाया है। इससे किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन को गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में ...ता होगी।

हरियाणा कृषि विवि. के रामधन सिंह सीड फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य। (छाया : राज पराशर)

संयंत्र की 30 क्विंटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. रामनिवास

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समर उजाला.....

दिनांक 14.12.2022.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-6.....

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीज : समर

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का वीसी प्रो. समर सिंह ने किया उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे बुधवार को विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद उपस्थित को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रो. समर सिंह ने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

बीज फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उदघाटन करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

30 क्विंटल प्रति घंटा बीज प्रसंस्करण क्षमता

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि संयंत्र की बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडेंट सिलिंडर, ग्रेविटी सैपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 10.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2-6.....

किसानों को लाभ | रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किया उद्घाटन

अब अधिक मात्रा में तैयार होंगे गुणवत्ता वाले बीज

जागरण संवाददाता, हिसार : अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

यह बातें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विज्ञानियों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें।

इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी।

प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की प्रति ईकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी विज्ञानियों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं। पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे।

रामधन सिंह सीड फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। • विज्ञप्ति।

30 क्विंटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है। इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलेंडर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवतायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डा. बीआर कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 10.12.2020...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-5.....

सुविधा • रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का एचएयू के कुलपति ने किया उद्घाटन

अब एचएयू में एक घंटे में 30 क्विंटल बीज हो सकेगा प्रसंस्करण
ऊर्जा-लेबर खर्च होगा कम, किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज मिलेगा

भास्कर न्यूज | हिसार

अब चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे एचएयू द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च कम होगा। इसके लिए एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बुधवार को रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन किया। संयंत्र की बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है।

कुलपति प्रो. समर सिंह एचएयू स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की प्रति ईकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। इस मौके पर कुलपति के ओएसडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के, अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजद थे।

रामधन सिंह सीड फार्म में नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने दी ये जानकारी

- यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है।
- इस प्रोजेक्ट के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने करीब 57 लाख रुपए की सहायता प्रदान की थी।
- यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह सयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडेंट सिलेंडर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है।
- बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली खर्च कम होता है। किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज मिल सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.12.2020	--	--

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज : प्रो. समर सिंह

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का उद्घाटन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 दिसम्बर : अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम् फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। कुलपति महोदय ने इस ओर तुरंत संज्ञान लेते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र को लगवाने के लिए वित्तीय व्यवस्था करवाकर इसे स्थापित करवाया है। इससे किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन को गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सुगमता होगी। रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह सयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**09.12.2020**	--	--

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का उद्घाटन

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : प्रो. समर सिंह

पांच को न्यूज

हिसार। अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम् फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की प्रति ईकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। कुलपति महोदय ने इस ओर तुरंत संज्ञान लेते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र को लगवाने के लिए वित्तीय व्यवस्था करवाकर इसे स्थापित करवाया है। इससे किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन को गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सुगमता होगी।

संयंत्र की 30 क्विंटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. रामनिवास

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. काम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम............सच कहूं............

दिनांक 16.12.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : कुलपति

■ रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का उद्घाटन, कहा, फार्म का भी मैकेनाइजेशन

हिसार (सच कहूं न्यूज)।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अब विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत कही। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। उन्होंने फार्म की प्रति इकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी।

संयंत्र की 30 क्विंटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. रामनिवास

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.12.2020	--	--

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे विभिन्न फसलों के गुणवत्ता पूर्वक बीज : कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम् फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। कुलपति ने फार्म की प्रति ईकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया।

हिसार। नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति समर सिंह व अन्य।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। इससे किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन को गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सुगमता होगी।

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा करीब 57 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। इस अवसर पर मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम. एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. वी. आर. कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	09.12.2020	--	--

अब अधिक मात्रा में तैयार हो सकेंगे गुणवत्तापूर्वक बीज : वीसी

रामधन सिंह बीज फार्म पर नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। अब विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों के गुणवत्तापूर्वक बीज और अधिक मात्रा में तैयार किए जा सकेंगे। इससे विश्वविद्यालय द्वारा बीज तैयार करने के लिए ऊर्जा व लेबर पर होने वाला खर्च भी कम होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय में स्थित रामधन सिंह बीज फार्म पर स्वचालित नए बीज प्रसंस्करण संयत्र का बटन दबाकर उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे फसल उत्पादन पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए फार्म पर नवीनतम् फसल उपकरण स्थापित करें। इससे कृषि के कार्य आसानी से हो सकेंगे व लेबर की अनुपलब्धता

या महंगी होने पर मशीनों द्वारा एक तरफ शीघ्र कृषि क्रियाएं पूर्ण की जा सकेंगी। प्रोफेसर समर सिंह ने फार्म की प्रति ईकाई उत्पादनशीलता को बढ़ाने के लिए ड्रोन तकनीक को अपनाने पर बल दिया।

उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय द्वारा तीसरा स्थान हासिल करने पर सभी वैज्ञानिकों व विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि रामधन सिंह बीज फार्म को बीज उत्पादन करते हुए 20 वर्ष हो गए हैं और पिछले कई वर्षों से नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र लगवाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे। कुलपति महोदय ने इस ओर तुरंत संज्ञान लेते हुए नए बीज प्रसंस्करण संयंत्र को लगवाने के लिए वित्तीय व्यवस्था करवाकर इसे स्थापित करवाया है। इससे किसानों के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन को गति मिलेगी। इससे आने वाले समय में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के लिए बीज वितरण में सुगमता होगी।

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के ओएसडी एवं मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के अलावा सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

संयंत्र की 30 क्विंटल प्रति घंटा है बीज प्रसंस्करण क्षमता : डॉ. रामनिवास

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. राम निवास ने बताया कि यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण की नवीनतम तकनीक पर आधारित है तथा इसकी बीज प्रसंस्करण की क्षमता 30 क्विंटल प्रति घंटा है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा करीब 57 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। यह बीज प्रसंस्करण स्वचालित है। यह संयंत्र बीज प्रसंस्करण प्रीक्लीनर, ग्रेडर, इनडैंट सिलैण्डर, ग्रेविटी सेपरेटर, एलीवेटर व बीज उपचारक जैसी नवीनतम मशीनों से लैस है और एकल समन्वित प्रणाली पर आधारित है। इससे बीज प्रसंस्करण में बीज की गुणवत्ता बढ़ती है और इससे बिजली पर आने वाला खर्च कम होता है। इससे किसानों को बिजाई के लिए अधिक गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध हो सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहूं.....

दिनांक 10.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. गोदारा

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सावना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में आयोजित प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 10.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....2.....

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डा. अशोक

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह निदेशक(प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीरक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का प्रशिक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला, दैनिक भास्कर...

दिनांक 10.12.2020 पृष्ठ संख्या 4, 2 कॉलम 7-8, 1-2

'स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण समय की मांग'

प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक व मौजूद प्रतिभागी। *ब्यूरो*

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बुधवार को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ।

इसका आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है।

डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्रोत हैं। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी, जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।

एचएयू में महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शुरू

हिसार | एचएयू में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में यह प्रशिक्षण सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.11.2020	01	01

स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. अशोक गोदारा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 9 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण

आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीरक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीरक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्त्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्त्रोत हैं। इसलिए इनके परीरक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हें अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी. के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी,जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.12.2020	--	--

अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीरक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्त्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्त्रोत हैं। इसलिए इनके परीरक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हें अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी.के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी,जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	09.12.2020	--	--

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. अशोक गोदारा

अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीरक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीरक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्त्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्त्रोत हैं। इसलिए इनके परीरक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हें अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी.के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	**09.12.2020**	--	--

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. अशोक गोदारा

अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

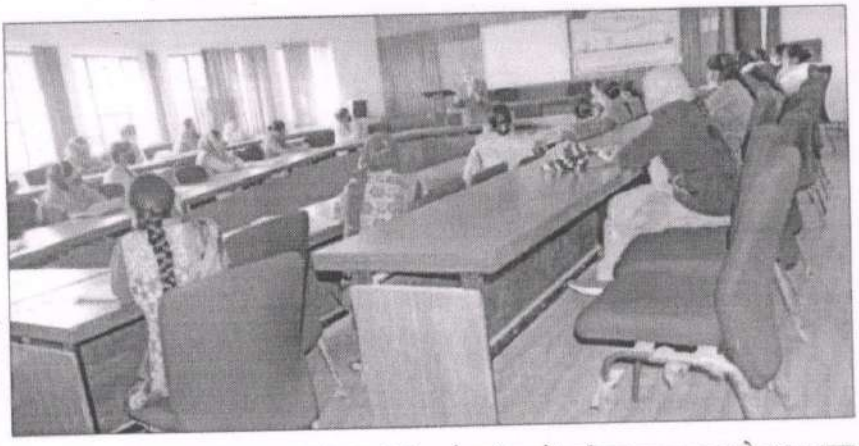

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीरक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीरक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्त्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्त्रोत हैं। इसलिए इनके परीरक्षण की जानकारी होना जरूरी है ताकि इन्हें अधिक समय तक सहेज कर रखा जा सके। डॉ. डी.के. शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी,जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ पांच बजे ....

दिनांक 9..12..2020...पृष्ठ संख्या...... — ......कॉलम...... — ......

स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण समय की मांग : डॉ. गोदारा

अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षणों का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बताया कि स्वरोजगारोन्नमुखी प्रशिक्षण आज के समय की मांग है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपने घरेलू स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में पांच दिनों में फल-सब्जियों के परीरक्षण एवं अनाज के मूल्य संवर्धित उत्पादों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल व सब्जियों का परीरक्षण कर उन्हें खराब होने से बचाया जा सकता है। डॉ. शशि कुमार भाटिया ने कहा कि फल व सब्जी विटामिन व खनिज लवण का मुख्य स्त्रोत हैं और हमारे दैनिक भोजन का भी का अभिन्न स्त्रोत हैं। इसलिए इनके परीरक्षण की जानकारी होना जरूरी है। डॉ. डीके शर्मा ने फलों व सब्जियों के प्रशसंस्करण में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान प्रतिभागियों को सभी तरह के अचार मुरब्बा, कैंडी, स्कवैश, चटनी,जैम, टमाटर सोस, फल व सब्जियों को सुखाना जैसी हर प्रकार की जानकारी विस्तारपूर्वक दी जाएगी।